Notification No: 537/2023

Date of Award: 02-05-2023

Name of Scholar : Varun Bharti

Name of Supervisor : Prof. Chandradev Singh Yadav

Name of Department/Centre : Hindi, Faculty of Humanities and Languages, JMI.

Topic of Research : RAMVRIKSH BENIPURI KE KATHETAR GADYA KA ALOCHNATMAK ADHYAYAN

Keywords : Kathetar, Samajwad , Vichardhara , Asmita Ke Prashn, Naari Jagran, Shabdchitr , samajik uthaan

Finding

कथेतर गद्य का आशय है कथा यानी उपन्यास और कहानी को छोड़ कर गद्य में लिखी गईं समस्त रचनाएं। कथेतर गद्य के अंतर्गत जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृतांत, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, डायरी, पत्र, निबंध और साक्षात्कार आदि विधाएं आती हैं।

बेनीपुरी आधुनिक हिन्दी गद्य के प्रतिनिधि रचनाकार हैं। हिन्दी गद्य के क्षेत्र में उनकी ख्याति उनके शब्द-शिल्प के वैशिष्टय के कारण है। उन्होंने गद्य की लगभग सभी विधाओं में लिखा है, जैसे शब्दचित्र, आत्मकथ्य, निबंध, संस्मरण, स्मृतिचित्र, यात्रा-वृत्तांत, जीवनी, संपादन, राजनीति, समीक्षाएं, डायरी, पत्र-साहित्य, पत्रकारिता आदि। बेनीपुरी हिन्दी के लेखक पत्रकार तो थे ही, राजनीति और समाजवादी विचारधारा के प्रति उनमें गहरी रुचि थी। बेनीपुरी की राजनीतिक दृष्टि का निर्माण किसान आंदोलन से हुआ था। बेनीपुरी के कथेतर गद्य में समाज के प्रति व्यापक चिंता है।

बेनीपुरी के कथेतर गद्य में सामाजिक एवं आर्थिक चेतना से संपृक्त है। बेनीपुरी के लेखन की मूल चिंता गरीबों, स्त्रियों और किसानों का जीवन है। बेनीपुरी हमेशा जनता के बीच में रहे। बेनीपुरी की रचनाओं में स्वाधीनता की नई चेतना है।

बेनीपुरी ने कथेतर गद्य की भाषा में नवीन शब्दों का चयन किया है। उनकी शैली के प्रशंसकों ने उन्हें 'कलम का जादूगर' नाम से अभिहित किया है। इन्होंने कथेतर गद्य की एक नवीन शैली विकसित की।